**Regarding establishment of a Central Tribal University in bordering areas of Rajasthan and Gujarat**

**डॉ. मन्ना लाल रावत (उदयपुर) :** माननीय सभापति महोदया, बहुत-बहुत धन्यवाद। हम सभी जानते हैं कि भील जनजाति देश की सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति में से एक है और चाहे हल्दीघाटी का युद्ध हो या मानगढ़ धाम का बलिदान, भीलों ने हमेशा ही आदिदेव महादेव को साथ में लेकर आंदोलन किया है और आक्रांताओं का मुकाबला किया है। जो भील जनजाति है, वह गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में निवास करती है, जिनकी जनसंख्या लगभग 3 करोड़ से ज्यादा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि विगत दिनों में केंद्र सरकार ने बहुत सारी योजनाएं चलाई हैं और बहुत महत्वपूर्ण योजना चलाई हैं। मैं आपके माध्यम से एक प्रश्न की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करता हूं। माननीय मोदी जी की सरकार ने प्रधानमंत्री जनमन योजना और धरती आबा योजना से जो सेचुरेशन वाली स्थिति में काम किया है, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए नॉर्थ ईस्ट और तेलंगाना में एक-एक सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी की स्थापना की है। यह जो भील क्षेत्र है इसमें लगभग तीन से साढ़े तीन करोड़ जनजाति समाज के लोग निवास करते हैं, लेकिन वहां पर कोई भी सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी नहीं है। मेरी सरकार से मांग है कि जिस प्रकार से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजना चलाई है। इसमें से दक्षिणी राजस्थान में या गुजरात का जो बार्डर एरिया है, उसमें एक ट्राइबल यूनिवर्सिटी की स्थापना की जाए। यह 275(1) के तहत हो सकता है, एक बड़ी योजना हो सकती है। साथ ही मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जनजाति समाज पूरे देश में हिंदू समाज है। जिस प्रकार से अलग धर्म कोड की यहां पर मांग की गई है, यह बहुत गलत है। मैं इस पर आपत्ति करता हूं, देश की 720 जनजातियां इस पर आपत्ति करती हैं। धन्यवाद।